

म० श० क० न० च० द० वा० ना० मि० च० न० सा० हा० ग० गु० वि० न० रु० म० वा० न० यु० ह० क० न०
वा० स० ना० नि० य० घ० ङ० ऋ० य० च० त० ना० कि० ग० ना० म० स० मा० धि० स० मा० य० श० क०
स० शा० स० म० क० न० स० मा० य० न० स० ह० ग० व० न० शा० ङ० ऋ० न० म० य० दि० प्रा० नि० म०
कु० य० प्रा० मि० नी० स्व० न० कि० स्मा० ॥ उ० न० मा० ह० ग० व० न० ङ० ऋ० वा० य० मु० छ० बी० न०
ह० स्मा० स्मा० ॥ उ० न० मा० ह० ग० व० न० अ० यु० नी० ह० न० ऋ० वा० य० ॥ उ० न० मा० व० धा० य०

नमो धर्माय नमः संघाय ॥ ॐ नमः सदा नमो संघाय वृत्तानां वृत्तका
टिनां ॥ नमो मेरुययु मखा ना सर्ववृत्तवाधिसत्त्वार्ता गंधवक संघा
नो ॥ ॐ नमो लाकृष्ण कर्मान नमः ॥ ॐ नमः कायना नो ॥ ॐ नमः सक्त
समिनां ॥ ॐ नमो इना समिनां ॥ ॐ नमो लाकृष्ण सत्त्वार्ता नां ॥ ॐ न
मः संघायुक्तियना नो ॥ ॐ नमः दवयीनां ॥ ॐ नमः सिद्धि विद्याया

प्रथीर्मा। उं नमः सायायुधार्नाम्। नमः सायायुधार्नाम्। उं नमः सायायुधार्नाम्।
विद्याधनानां। उं नमः देवदेवैः। उं नमः देवदेवैः। उं नमः देवदेवैः। उं नमः देवदेवैः।
वत्स नृपाय उमावती सदीनाया। उं नमः वत्स नृपाय उमावती सदीनाया। उं नमः वत्स नृपाय उमावती सदीनाया।
कन्यानाय नायामस्त्ययः कन्यानाय नायामस्त्ययः कन्यानाय नायामस्त्ययः कन्यानाय नायामस्त्ययः।
नमस्तु कालाय गिरियुगलविजयनकनाया उं अविमुक्ति ककाः।

[illegible]

व न हृदय न मन न बुद्ध न ज्ञान न ज्ञाय न धर्म न आत्मा न हर्म न सम्यक् न वृत्ताय
 ॥ इ न मा र ग व र्त्त अमी ना राय धर्म न आत्मा न हर्म न सम्यक् न वृत्ताय ॥ इ
 न मा र ग व र्त्त अमी ना राय धर्म न आत्मा न हर्म न सम्यक् न वृत्ताय ॥ इ
 न मा र ग व र्त्त अमी ना राय धर्म न आत्मा न हर्म न सम्यक् न वृत्ताय ॥ इ
 न मा र ग व र्त्त अमी ना राय धर्म न आत्मा न हर्म न सम्यक् न वृत्ताय ॥ इ
 न मा र ग व र्त्त अमी ना राय धर्म न आत्मा न हर्म न सम्यक् न वृत्ताय ॥ इ

यह न संम्यक् संवृत्तायाऽं नमो ह गवर्गं मा धर्मिष्ठिय न भग
नाया ह न संम्यक् संवृत्तायाऽं नमो ह गवर्गं स यच्छि न सा न लु न
जाय न था गगा या ह न संम्यक् संवृत्तायाऽं नमो ह गवर्गं य मा ह न
जाय न था गगा या ह न संम्यक् संवृत्तायाऽं नमो ह गवर्गं विद्यः
श्चि न न था गगा या ह न संम्यक् संवृत्तायाऽं नमो ह गवर्गं निवि न

य न था गगा या ह न संम्यक् संवृत्तायाऽं नमो ह गवर्गं विद्यः शु वा न थ
गगा या ह न संम्यक् संवृत्तायाऽं नमो ह गवर्गं क कृत्ताया न था गगा
या ह न संम्यक् संवृत्तायाऽं नमो ह गवर्गं क न क म नि ना संम्यक् संवृत्ता
याऽं नमो ह गवर्गं का स या य न था गगा या ह न संम्यक् संवृत्तायाऽं
नमो ह गवर्गं सा य न य न था गगा या ह न संम्यक् संवृत्तायाऽं न

मा हगवर्गत्रलचन्द्रायनथागगाया ह न संम्यक् वृद्धायाऽ
 न मा हगवर्गत्रलकुरुनाजायनथागगाया ह न संम्यक् वृद्धा
 याऽ न मा हगवर्गसमकहद्रायनथागगाया ह न संम्यक् वृद्धा
 याऽ न मा हगवर्गवैत्रासनायनथागगाया ह न संम्यक् वृद्धा
 याऽ न मा हगवर्गवैत्रासनायनथागगाया ह न संम्यक् वृद्धा

या ३

[illegible]

न कन्या चतुर्गुणीनी यदु सप्तानां विधं मन कन्यां अष्टाविंशतीनां न
कन्यां युष्मादन कन्यां सप्तगुणिनीनां अष्टानां महानां विधं मन कन्या
। चात्र इह इह स्वप्नानां सप्तानां विषयं मृगयुद्धं कात्यायनी सप्त इह
नीह याह्यनीनां यावद् इह कात्रमत्र यात्र कात्र कात्रां अथ नाजि
महाद्यानां महावला महावत्स महावत्स महावत्स महावत्स महावत्स

महामालाः महाकात्यायनी महावत्स महावत्स महावत्स महावत्स महावत्स
वः विजया यथा महावत्स महावत्स महावत्स महावत्स महावत्स महावत्स
विजया महावत्स महावत्स महावत्स महावत्स महावत्स महावत्स
महामाला महावत्स महावत्स महावत्स महावत्स महावत्स महावत्स
महामाला महावत्स महावत्स महावत्स महावत्स महावत्स महावत्स
महामाला महावत्स महावत्स महावत्स महावत्स महावत्स महावत्स

मात्रिका क सं ह प्रत्तावे व वे नाचने क ल व हान ग आगन क ना वी य वि
शु का वि रु म मात्रिका व ऊ क न क य हा नाचना व ऊ पु पु च खे ना वः
क म ना की धी वू च सा च ना न था व ऊ प्र हा च न्दा न था व ऊ व ना यि वा व ऊः
माला म हा मा या द वा च क न क य हा स नाचना व ना च क म न क ना वि
नि ना म न वि हा व आत्म गुण म सा प्र हा ॥ ॐ ह वा म हा मू ङा ग मा २ स

मा ह ग ना च म धा न शं क र्ब कु म म सर्व स हाना व ॥ ॥ ईं अ वि म मा
पु म ह सर्व गु पा न ना की य सि ना य पुः ईं ईं जी श्री ज म नी ॥ ईं ईं जी श्री स
म नी ॥ ईं ईं जी श्री मा स न क नी ॥ ईं ईं जी श्री य न वि या ज म न क नी ॥ ईं
ईं जी श्री स र्व इ र रु म न क नी ॥ ईं ईं जी श्री स र्व वि या इ द न क नी ॥ ईं
ईं जी श्री स र्व इ हाना रु म न क नी ॥ ईं ईं जी श्री स र्व य क मा क स य हा

ॐ ह्रीं श्रीं नमो भगवते वासुदेवाय नमो विष्णवे नमो कृष्णे २

नमो विष्णवे नमो कृष्णे ॥ ह्रीं ह्रीं श्रीं वसुदेवाय नमो भगवते वासुदेवाय नमो विष्णवे नमो कृष्णे ॥
नमो ह्रीं ह्रीं श्रीं नमो भगवते वासुदेवाय नमो कृष्णे ॥ नमो यसादन कृष्णे ॥ ह्रीं ह्रीं श्रीं ॥
ॐ नमो कृष्णे नमो भगवते वासुदेवाय नमो कृष्णे नमो भगवते वासुदेवाय नमो कृष्णे ॥
नमो कृष्णे नमो भगवते वासुदेवाय नमो कृष्णे नमो भगवते वासुदेवाय नमो कृष्णे ॥
यमसमसहस्रनेत्रं अहं हृदि कृत्वा नमो कृष्णे नमो भगवते वासुदेवाय नमो कृष्णे ॥

नमो भगवते वासुदेवाय नमो कृष्णे नमो भगवते वासुदेवाय नमो कृष्णे ॥
हयाग्रा अग्निरयाग्रा उदक हयाग्रा विषम हयाग्रा मय हयाग्रा
यित्र चक्र हयाग्रा इति क्र हयाग्रा अली हयाग्रा अकाल म हयाग्रा
धनमीक हयाग्रा उल्का याग हयाग्रा नाज द हयाग्रा चद्र म हयाग्रा
शानाग हयाग्रा विष हयाग्रा कक वा हयाग्रा स्या हयाग्रा स

वृत्तुयदवायसर्गयासाहयाग्रायहृहया।दवहयागानागरयाग्राय
कहयागानाकसहयागानागनधरयाग्राजसुनहयागानागनूहयाग्राकि
न्ननयहयागामाहानगयहयागामनययहयागामनययहयागामनययहयागामनय
हकयहयागामनयहयागामनयहयागामनयहयागामनयहयागामनयहयागामनय
हयागामनयहयागामनयहयागामनयहयागामनयहयागामनयहयागामनयहयागामनय

अयममत्रयहयागामनयहयागामनयहयागामनयहयागामनयहयागामनयहयागामनय
मिहयागामनयहयागामनयहयागामनयहयागामनयहयागामनयहयागामनयहयागामनय
मीकायहयागामनयहयागामनयहयागामनयहयागामनयहयागामनयहयागामनयहयागामनय
मीनीयहयागामनयहयागामनयहयागामनयहयागामनयहयागामनयहयागामनयहयागामनय
हयागामनयहयागामनयहयागामनयहयागामनयहयागामनयहयागामनयहयागामनयहयागामनय

नाहात्रीम्याहाजीवागाहात्रीम्याहावत्याहात्रीम्याहामात्याहात्रीम्या
हागंवाहात्रीम्याहाय्याहात्रीम्याहाध्याहात्रीम्याहाहलाहात्रीम्या
हाहाहात्रीम्याहाजाहाहात्रीम्याहायुजाहात्रीम्याहादिहाहा
त्रीम्याहामूहाहात्रीम्याहावगाहात्रीम्याहाश्रवमाहाहाहासिंह
हातकाहात्रीम्याहाडिहाहात्रीम्याहावाहाहात्रीम्याहावित्रिका

हात्रीम्याहाअगुयाहात्रीम्याहाअदनीकाहात्रीम्याहादिकोहात्री
म्याहादिनाहात्रीम्याहा ॥ अगंवाहात्रीम्याहासर्वविशाहिन्द्याम्या
सिना। कीत्रयामिवजगावजगादिनाहात्रीम्याहासर्वविशाहिन्द्याम्या
सिना। कीत्रयामिवजगावजगादिनाहात्रीम्याहासर्वविशाहिन्द्याम्या
सिना। कीत्रयामिवजगावजगादिनाहात्रीम्याहासर्वविशाहिन्द्याम्या

वज्रनाभकृत्तुर्विद्याष्टिन्दयाम्यसिनीकोलयामिवज्रना
त्रायनकृत्तुर्विद्याष्टिन्दयाम्यसिनीकोलयामिवज्रनामहायधु
यगिकृत्तुर्विद्याष्टिन्दयाम्यसिनीकोलयामिवज्रनामहायकाल
कृत्तुर्विद्याष्टिन्दयाम्यवज्रनामहायकृत्तुर्विद्याष्टिन्दयाः
म्यसिनीकोलयाम्यवज्रनाकायात्तुर्विद्याष्टिन्दयाम्यसिनी

कीलयामिवज्रनामहायकृत्तुर्विद्याष्टिन्दयाम्यसिनीकोल
यामिवज्रनामहायकृत्तुर्विद्याष्टिन्दयाम्यसिनीकोलयाम
मिवज्रनामहायकृत्तुर्विद्याष्टिन्दयाम्यसिनीकोलयामिवज्रना
वज्रकोमालिकृत्तुर्विद्याष्टिन्दयाम्यसिनीकोलयामिवज्रनामहाय
त्रिकृत्तुर्विद्याष्टिन्दयाम्यवज्रनामहायकृत्तुर्विद्याष्टिन्दयाम्यसि

नांकीलयामिवज्जनाकुत्रतागकनाविशाष्टिन्दयाम्यसिनीकीलया
मिवज्जनाभूतिप्रकमकेगीविशाष्टिन्दयाम्यसिनीकीलयामिवज्जना
विनायककनाविशाष्टिन्दयाम्यसिनीकीलयामिवज्जनाकुमातक
नाविशाष्टिन्दयाम्यसिनीकीलयामिवज्जनाचहुमाहनाऊकना
विशाष्टिन्दयाम्यसिनीकीलयामिवज्जनाचहुएगानीकनीविशोः

ष्टिन्दयाम्यसिनीकीलयामिवज्जनागत्रज्जनाविशाष्टिन्दयाम्य
सिनीकीलयामिवज्जनाजयकनमवूकलसिद्धिक्तसर्वार्थसा
धनकनाविशाष्टिन्दयाम्यसिनीकीलयामिवज्जनाहीमिनीठिन
दिकेष्टनकारिकयवदुसूर्यगनयमिसहायकनाविशाष्टिन्द
याम्यसिनीकीलयामिवज्जनानमृष्टमनकनाविशाष्टिन्दयाम्य

सिनां को तया मि व ऊ ना भू रू रु नां वि शा द्वि न्द या म्य सि नां को तया
मि व ऊ ना भू व ला फि न्द य न रु नां वि शा द्वि न्द या म्य सि नां को तया मि
व ऊ ना वी न ना ग रु नां वि शा द्वि न्द या म्य सि नां को तया मि व ऊ ना
व ऊ या नि शु प्र का । टी टी ति रु नां वि शा द्वि न्द या म्य सि नां को त
या मि व ऊ ना य उ य गु रु नां वि शा द्वि न्द या म्य मि व ऊ ना ये न का वि

रु नां वि शा द्वि न्द या म्य सि नां को तया मि व ऊ ना भू नु शु म स रु नां वि
शा द्वि या म्य व ऊ ना इ त इ ना व न च ना रु नां वि शा द्वि न्द या म्य सि नां को
तया मि व ऊ ना स र्व वि व ल रु नां वि शा द्वि न्द या म्य सि नां को तया मि
व ऊ ना स र्व इ व न न रु नां वि शा द्वि न्द या म्य सि नां मि त ऊ ना स र्व
रु नां वि शा द्वि न्द या म्य सि नां को तया मि व ऊ ना ० ॥

[illegible]

दृढासर्वइतिविर्गयद्रुढासर्वइत्यायात्यद्रुढासर्वदि। रूढा
सर्वइत्युक्तयद्रुढासर्वइत्युक्तिदिर्गयद्रुढासर्ववधुक्तयद्रुढास
सर्वइत्युक्तयद्रुढासर्वइत्युक्तिविर्गयद्रुढासर्वजात्रयद्रुढास
व्यायत्मात्रयद्रुढासर्वोत्पन्नयद्रुढासर्वदाफिनायद्रुढास
व्यत्रययद्रुढासर्वकनवासिनीयद्रुढासर्वजामिकयद्रुढास

सर्वसकनीत्यः॥ सर्वमायनीति केत्यः॥ सर्वगत्रत्यः॥ सर्व
 विवेकः॥ सर्वयोर्यत्यः॥ सर्वलम्बकेत्यः॥ सर्वहयः
 त्यः॥ सर्वयुधत्यः॥ सर्वयस्यमायासत्यः॥ सर्ववि
 सत्यः॥ सर्वव्याधित्यः॥ सर्वशुभलत्यः॥ सर्वयुद्धत्यः
 ॥ सर्वगीथकेत्यः॥ सर्वयुधविद्युत्यः॥ सर्वविद्यामकः॥

त्यः॥ सर्वान्मादत्यः॥ सर्वविद्याधनत्यः॥ जयकत्रमयूकत्र
 सिद्धिकतसाधकेत्यः॥ सर्वविद्यावातत्यः॥ सर्वविद्यानाकत्यः
 ॥ सर्वसाधकेत्यः॥ सर्वविद्यानाजत्यः॥ चतुर्थाहमीमीत्यः
 ॥ वज्रकीमानीयविद्यानाह्यत्यः॥ सर्ववीजविनायकनीदत्यः॥
 यत्रविद्यायनकनायदत्यः॥ सर्वसूत्रत्यः॥ सर्वगत्रूत्यः॥ सर्व

[illegible]

४ हृदा सर्वनाशाय ४ हृदा सर्वविक्रय ४ हृदा सर्वनाश ४ हृदा सर्व
 पुनर्भव ४ हृदा सर्वकोश ४ हृदा सर्वरक्त ४ हृदा सर्वधर्म
 ४ हृदा सर्वयिष्णु ४ हृदा सर्वयुगल ४ हृदा सर्वकठ ४ युगल
 ४ हृदा सर्वस्व ४ हृदा वैकुण्ठ ४ नायमकोयल ४ गिरिना ४ जाय
 ४ हृदा कोसाय ४ हृदा महाकासाय ४ हृदा मागल ४ हृदा महामा

हममम मरुताय रुढा वैष्णवीय रुढा मादृष्यत्रीय रुढा बुक्का
यनीय रुढा आनीय रुढा मरुतालीय रुढा कालदन्दिय रुढा वेन्दी
यरुद्वा नीडीय रुढा चामुणीय रुढा वानाही रुढा मरुता वानाही यरुद्वा
कालनापी रुढा नापीय रुढा यमदधुनीय रुढा कायालीय रुढा मरु
कायालीय रुढा कर्मालीय रुढा यामीय रुढा वायूवरुद्वा नेमय रु

११

दावनूणीय रुढा मानूनि रुढा मरुता मानूनिय रुढा सीमय रुढा न
गानीय रुढा युक्सीय रुढा अथर्वनीय रुढा गवलिय रुढा रुक्म
वलीय रुढा यमइनीय रुढा नासिदि वाचनेत्य रुढा नीसन्धावत्र
त्यरुद्वा घननीय रुढा अत्रनीय रुढा अधिमूर्ति कास्मिन्न मरुता न
कास्मिन्न ननी वानीय रुढा प्रत्यरुत्तरेत्य रुढा सर्वसद्यत्यरुद्वा

ॐ ह्रीं व न च २ इ स न न रु २ मां म व स त्वा नां स्वा हा ॥ य ह क म्बि त्म म स
च स त्वा नां ~~व न च २ इ स न न रु २~~ चि ला त्री डा त्री ड ला या या या य वि ला क्ष कृ यि
न कृ यि न चि ला ॥ अ मि नु अ मि न चि ला ॥ ॥ न न म म स व स त्वा
स्य न कं कृ च नु जी व नु व र्च स नं य र्थ नु स न दा नं ॥ य ह चि य ह
य हा ॥ ॐ हा ना ग हा ना त्रि हा ना व सा हा ना मां सा हा ॥

ना म दा हा ना ~~व न च २ इ स न न रु २~~ हा ना जा ना हा ना जी वा ना हा ना व ला हा ना
मा ला हा ना ग ना हा ना य हा हा ना धू या हा ना रु ना हा ना आ हू य
हा ना वि ला हा ना चि ला हा ना य जा हा ना वि हा हा ना म ग हा ना
वि म हा ना हा ना हा ना सि हा न का हा ना वा ना हा ना वि त्रि का ना
ना म नु चा हा ना ह्रीं न ती का हा ना या य चि ला इ स चि ला त्री ड चि ला

॥ देवयज्ञानागयज्ञायायज्ञानाकर्मयज्ञानाचर्चयज्ञानाश्रुतयज्ञाना
 गन्तव्ययज्ञानाकिन्नयज्ञानामक्षेत्रगयज्ञानामन्ययज्ञानाश्रुतयज्ञानामन्य
 यज्ञानायज्ञानायिमाचयज्ञानाह्वयज्ञानाकर्मयज्ञानायज्ञानायज्ञानायज्ञानाय
 नयज्ञानायज्ञानायज्ञानायज्ञानायज्ञानायज्ञानायज्ञानायज्ञानायज्ञानायज्ञानाय
 यज्ञानायज्ञानायज्ञानायज्ञानायज्ञानायज्ञानायज्ञानायज्ञानायज्ञानायज्ञानाय

कृतियज्ञाना। अं मायननीयज्ञानाकर्मकामिनीयज्ञानाश्रुतयज्ञानाक
 र्मकर्मानीनीयज्ञानामन्ययज्ञानाश्रुतयज्ञानाश्रुतयज्ञानाश्रुतयज्ञानाश्रुतय
 काशावापुथकासकाहिकाशाश्रुतयज्ञानाश्रुतयज्ञानाश्रुतयज्ञानाश्रुतयज्ञाना
 श्रुतयज्ञानाश्रुतयज्ञानाश्रुतयज्ञानाश्रुतयज्ञानाश्रुतयज्ञानाश्रुतयज्ञानाश्रुतय
 नाश्रुतयज्ञानाश्रुतयज्ञानाश्रुतयज्ञानाश्रुतयज्ञानाश्रुतयज्ञानाश्रुतयज्ञानाश्रुतय

काश वारि काश येरि काश सुषि काश सानि या काश स व जल
 शानि प्रा वारि मय नय नु मम स व सत्वा नाथ ॥ अर्द्ध रु व द क
 म्प्रा ना कं प्र की ना गी ना सा ना गी मुख ना गी क म्प्रा ना गी हृडा गी ग
 नय ह। क म्प्रा ना द न स ना द द य म्प्रा ना य म्प्रा ना य म्प्रा ना य
 द न म्प्रा ना ग म्प्रा ना व रि म्प्रा ना म्प्रा ना य म्प्रा ना य म्प्रा ना य म्प्रा ना

२०

म २

म्प्रा ना उ न म्प्रा ना जं घा म्प्रा ना रु रु म्प्रा ना या द म्प्रा ना म्प्रा ना य म्प्रा ना म्प्रा ना
 वा य न य म्प्रा ना रु न य म्प्रा ना व ना उ ज कि ती जल द द क म्प्रा ना रु क रु
 पि त के क म्प्रा ना रु रु म्प्रा ना रु ना या मा वे यी ना रु लिं मा श व म्प्रा ना
 शा स का म्प्रा ना म्प्रा ना ग न वि य ज ना रु रु द क माल मा ली क ल रु व न क
 का ना काल म्प्रा ना म्प्रा ना क ना रु क रु रु रु क स र्थ न क ल सि रु रु

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कठक राजीव कायिकानां सयनयनु ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कठक राजीव कायिकानां सयनयनु ॥
वद्वादनयादुनस्तननवायक ॥ कठक राजीव कायिकानां सयनयनु ॥
कनामि ॥ कठक राजीव कायिकानां सयनयनु ॥
मि ॥ कठक राजीव कायिकानां सयनयनु ॥

मि ॥ कठक राजीव कायिकानां सयनयनु ॥
मि ॥ कठक राजीव कायिकानां सयनयनु ॥
नन ॥ कठक राजीव कायिकानां सयनयनु ॥
वजया ॥ कठक राजीव कायिकानां सयनयनु ॥
रुठ ॥ कठक राजीव कायिकानां सयनयनु ॥

समिगानयगानामायनाहिनीयस्यंजिनांमहाविद्यानाहीलिवि
वाहृजयगुवावमुवावल्वाकायगगीवाकंभुगगीवाकृत्वा
अत्रायथातिवाचयाथिति॥अथदत्तकुमिथिति॥सर्वरुखनैकम २२
नकुमीथिति॥गत्रंनकुमिथिति॥नाकात्मस्यकनिथिति॥सर्व
गुहानां सर्वविद्यविनायकानां वयिथाहविथिति॥मनश्चानुन

ॐ नमो कृत्यकाटिसहस्रानि जागो जागो जातिस्मन्नाहविथिति॥
रुद्रमीमीवृद्धकृत्यकाटिनायगमनसहस्रानि विद्यादेवमानि
स्यंजिनांमहाविद्यानाहीलिवि
वृद्धगीकिंकनीनिथंयलियालयोथीनि॥गमीमयिथीथाहवि
विथिति॥मनश्चानुनकदाचिगुयद्धुननाहसत्वंनहनत्वं॥

नायिस्तचत्वं नयगनत्वं नकटयूगनत्वं नमनूथपात्रिदं युंष्ट
 यस्तु हविष्यमि। गगानदीवातिका सविद्याय मेवानां वः
 ज्ञानाहगवनांयूष्यस्त्वं नसमन्वामै गगानहविष्यमि॥ ००
 मावसर्वगयागगानो वीर्यतिनागयशोनामायनाजिनाये
 यद्विनामहाविद्यानाहं यत्रयमानहाश्रुवस्तवात्रीहः

२३

विष्यमि। गगानोमोनाहविष्यमि। गगानोमोनाहविष्यमि॥ १३
 नूयवासिडयवासीहविष्यमि। जायियश्चननर्थकात्रीस्याम
 ध्यानिद्वगयायाहविष्यमि। युवकमाविद्याकनवलमं निलवः
 लायंयानिद्रयंगहृक्तायः केभ्यस्तागृशामगृगयागगानो वीर्य
 तिनोयुगनामायनाजिनामहाययद्विनामहाविद्यानाहं यत्रयमानहाश्रुवस्तवात्रीहः

त्रयमानशयुगार्थियुनं युगिलरुगायुयुधवलं युगिलरुगां वं
नं च स्वासुखावर्थां लोकधागावयययगासचत्रागध्वभाहमा
नदयविगगाहविद्यगिायरुकाश्चिमनुषमासलांमासयगमा
लेसद्वयवायसहमायासेयनचकागमनयुगस्यरुगवगह
नस्यसम्यक्वृद्धस्यः सर्वगथागगाधूसिगागयगानामाय

प्रीडिगामहप्रत्यगिनाधुजांशुवलायिगीरुलामहगायुजासिक्कां
ममहगायुजांरुलासुधनगसदासवृषवेगयगु॥विहानेवायामेवानगः
नवाङनयदवानिगेमकाग्ममानवायवर्गवाग्नेय्यावर्गनवा॥३॥
मामयेनाडिगोप्रत्यगिनाविद्यानाहमेहगासकांनगयवेगयगु॥प्रवे
गिनमाकुंभप्रक्षकिरुगाहविद्यकि।सर्वस्यवृद्धवायसहमायाया

साऽयत्र चडाभियुग्माभ्यानि। अत्र को नागनाजा। वाभूकी नागनाजा। गद
को नागनाजा। यमो नागनाजा। महायमो नागनाजा। भस्वय नागनाजा
। कर्काटको नागनाजा। कुलिको नागनाजा। नन्दो वनन्दो नागनाजा। २३
अन्य च सर्वे नागनाजा। काशनागनाजा। काशनागनाजा। काशनागनाजा। काशनागनाजा।
मायका। काशनागनाजा। काशनागनाजा। काशनागनाजा। काशनागनाजा। काशनागनाजा।